रांची, 29 अप्रैल 2016
दैनिक जागरण | 5

मत्स्यपालन हमेशा है मुनाफे का सौदा

प्रशिक्षण में शामिल पदाधिकारी।

◆ कोनार में जलाशय मत्स्य प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन

विष्णुगढ़ : प्रखंड के कोनार डैम में तीन दिवसीय जलाशय मत्स्य प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डीवीसी कोनार के एसआइपी के सहयोग से भूमि संरक्षण विभाग मैथन के तत्वावधान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जलाशय सहयोग समिति, प्रगतिशील कृषक एवं बेराजगार युवकों के 40 सदस्यीय टीम को मत्स्य पालन एवं इससे होने वाले आय में बढोतरी करने से संबंधित उपाय विस्तार से बताया गया। जानकारी दी गई कि मत्स्य पालन से अच्छी आय होने की गुंजाईश हमेशा बनी रहती है। इससे जुड़कर ग्रामीण युवा अच्छी आय बड़ी आसानी से हासिल कर सकते है।

मौके पर जलाशय मत्स्य प्रबंधन, नदी में मछलियो की प्रकृति, ब्रीडिंग, मछली पकड़ने के कानूनी प्रावधान, तालाब, नर्सरी निर्माण, समेकित मत्स्य पालन, मछलियों को होने वाली बीमारी एवं इसके उपचार, मत्स्य पकड ने से संबंधित उपकरण के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षुओ को जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन कोनार डीवीसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा.एस विश्वास ने किया। मौके पर वरीय चिकित्सा पदाधिकारी डा. बीएन मंडल, बीएम झा, सामाजिक एकीकरण कार्यक्रम के परियोजना प्रबंधक एचसी सिंह, डा एनसी साहा, विशेषज्ञ अर्नव दास, शिफा कल्याणी, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी नवीन कुमार, गोपाल प्रसाद, उपेंद्र आदि उपस्थित थे।

रांची, शुक्रवार
29.04.2016 | 09

युवाओं को दी मछली उत्पादन और रख-रखाव की जानकारी

विष्णुगढ़. कोनार डैम स्थित एसआइपी कार्यालय सह प्रशिक्षण केंद्र में तीन दिवसीय जलाशय मत्स्य प्रबंधन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. भूमि संरक्षण विभाग मैथन के द्वारा यह कार्यक्रम कोनार डैम के सहयोग से किया गया. इसका उदघाटन कोनार डिस्पेंशरी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एस विश्वास ने दीप जलाकर किया. पहले दिन प्रशिक्षणार्थियों का पंजीयन कर जलीय संसाधन, जलाशय मत्स्य की संभावना, राज्य सरकार द्वारा मछुआरों के हित में चलायी जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गयी. प्रशिक्षण का समापन 30 अप्रैल को होगा. इसमें मछलियों की प्राकृतिक ब्रीडिंग, मछली पकड़ने के कानूनी प्रावधान, तालाब नर्सरी निर्माण, बीमारियों व इसके उपचार, सहयोग समिति निर्माण, मछली पकड़ने के उपाय, जलाशय से मछली उत्पादन व उसके रख-रखाव के बारे में जानकारी दी गयी. मौके पर डॉ बीएन मंडल, वरीय प्रबंधक चसी सिंह, डॉ नसी साहा, अरनौव दास, सिफा कल्याणी, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी नवीन कुमार, बीएम झा, उपेन्द्र कुमार, गोपाल प्रसाद, कैलाश महतो समेत कई लोग उपस्थित थे.

30/4/16
Executive (SO)
Aquatic Resources Development
DVC, Maithon